हिंदी साहित्य ...

राज्य स्तरीय संगोष्ठी में महिला उपन्यासकारों के योगदान पर मंथन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. सेंट क्लारेट महाविद्यालय और ज्ञान किरण शिक्षण संघ के संयुक्त तत्वावधान में 'हिन्दी साहित्य में महिला उपन्यासकारों का योगदान' विषयक राज्य स्तरीय स्तरीय संगोष्ठी जालहल्ली स्थित कॉलेज में सम्पन्न हुई। दो सत्रों में आयोजित संगोष्ठी में हिन्दी साहित्य की उपन्यास विधा के विविध पक्षों पर शोधार्थियों, वक्ताओं और विषय विशेषज्ञों ने पत्र वाचन एवं व्याख्यान के ज़रिए इस भाषा की सुग्राह्यता तथा महत्ता पर मंथन किया।

साथ ही कन्नड़ भाषा व साहित्य के विकास पर भी दो सत्रों में चर्चा हुई। प्रारंभ में दीप प्रज्वलन और ईश वंदना के साथ संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अम्बेडकर प्रथम कॉलेज में हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं ज्ञान किरण शिक्षक संघ की सचिव प्रो. लता चौहान थी। अध्यक्षता सेंट क्लारेट कॉलेज के प्राचार्य रेव फादर डॉ. साबू जार्ज ने की। विशिष्ट अतिथि कालेज के उपाचार्य रेव फादर विनीत जार्ज। अतिथियों ने गोष्ठी के उद्देश्य और भाषा विकास पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र में रेखा पी. मेनन, निशा मेश्राम, रेखा सिंह, सुदामिनी एस., अरविन्द कुमार गुप्ता ने तथा द्वितीय सत्र में डॉ. शर्मिला बिस्वास, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. सुप्रिया सिंह, डॉ. विनय कुमार यादव, डॉ. उषा श्रीवास्तव, प्रो. डी. योगानन्द, प्रो. मोहम्मद रियाज खान ने महिला उपन्यासकारों के सृजन में नारी सशक्तिकरण, नारी समस्याएं, सामाजिक चेतना, सामाजिक घुटन, विमर्श, नारी और आधुनिकता आदि पर पत्रवाचन किया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता बाल्डविन महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. उषा रानी ने तो द्वितीय सत्र की अध्यक्षता एमएलए अकादमी ऑफ हायर लर्निंग के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणु रानी शुक्ला ने की। दोनों सत्रों का संचालन क्रमशः सेंट क्लारेट कॉलेज के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रश्मि रे और जयलक्ष्मी ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान पत्रिका, बेंगलूरु के सम्पादकीय प्रभारी राजेन्द्र शेखर व्यास थे। अध्यक्षता बीएमएस कॉलेज के कन्नड़ विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीलादेवी मलीमट्ट ने की। सेंट क्लारेट कॉलेज के भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. मादेश एन. ने संगोष्ठी की सफलता के लिए सभी का धन्यवाद दिया। समापन समारोह का संचालन बीबीएम के छात्र वशिष्ठ ने किया।